भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 466
उत्तर देने की तारीख 6 फरवरी, 2025
17 माघ, 1946 (शक)

झारखंड में एनएसडीएफ के अंतर्गत खेल विकास

466 # श्रीमती महुआ माजी:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान झारखंड राज्य में खेल अवसंरचना, प्रशिक्षण और संवर्धन के लिए राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) के अंतर्गत कितनी वित्तीय सहायता दी गई है;

(ख) एनएसडीएफ और अन्य योजनाओं के अंतर्गत झारखंड में जनजातीय और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या झारखंड में एनएसडीएफ के अंतर्गत भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र का स्तरोन्नयन किया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान झारखंड के कितने खिलाड़ियों को एनएसडीएफ के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय कोचिंग, तकनीकी सहायता या प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ है ?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) और (ख) : पिछले तीन वर्षों में झारखंड राज्य में राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) के अंतर्गत अवसंरचना विकास के लिए कोई भी वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की गई है। तथापि, उक्त अवधि के दौरान झारखंड राज्य से खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए 1.25 लाख रु. की राशि खर्च की गई है । इसके अतिरिक्त, खेलो इंडिया स्कीम के तहत झारखंड में 5 अवसंरचना खेल परियोजनाएं (विवरण www.mdsd.kheloindia.gov.in पर उपलब्ध है); 24 खेलो इंडिया केंद्र और 10 मान्यता प्राप्त अकादमियां संस्वीकृत की गई हैं जो जनजातीय और पारंपरिक खेलों सहित सभी खेलो के लिए हैं।

(ग) और (घ) : झारखंड में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र के उन्नयन के लिए एनएसडीएफ के तहत कोई सहायता नहीं दी गई है। इसके अतिरिक्त, पिछले पांच वर्षों के दौरान झारखंड के 12 खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रशिक्षणों के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त की है।

****